संपादकीय

ज़िंदा इनसानों को नोचते कालाबाज़ारी गिद्ध

हमारा देश भारत इस समय कोरोना महामारी से त्रस्त है। गली-गली में मौत की आहट और मृत्यु का तांडव है। कुछ परिवार ऐसे भी हैं जहां अंतिम संस्कार करने वाला भी कोरोना की भेंट चढ़ गया और परिवार समाप्त हो गए। अलीगढ़ यूनिवर्सिटी का यह समाचार है कि कुछ दिनों में चालीस से ज्यादा प्रोफेसर और कर्मचारी कोरोना के मुख में चले गए। अब सवाल यह है कि कोरोना महामारी से तो भारत त्रस्त है ही, पर यह जो कालाबाजारी हिंदुस्तान में चल रही है, इसकी चोट कोरोना से भी ज्यादा है।

वैसे हमारा देश धर्म परायण देश है। ऋषियों-मुनियों ने यह शिक्षा दी है कि पराया धन मिट्टी के समान है। जब वेदव्यास जी ने 18 पुराणों की रचना कर ली तो शिष्यों ने पूछा कि कलियुग के प्राणी संभवतः इतना अध्ययन-मनन नहीं कर पाएंगे। सूत्र रूप में बताइए संदेश क्या है? उनका एक ही वाक्य था कि पर-उपकार ही पुण्य है और पर-पीड़ा पाप है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी श्रीरामचरितमानस में यही लिखा है कि परहित सरिस धर्म नहिं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई। एक भी ऐसा धर्म नहीं है विश्व का जो भ्रष्टाचार को पाप न मानता हो।

ऐसे संस्कारों वाले भारत वर्ष में कुछ लोग लोगों की जान की कीमत पर अपनी तिजोरियां भरना चाहते हैं, उन्हें आजकल समाचार पत्रों में गिद्ध कहा जाता है। गिद्ध तो मरे हुए पशु का शरीर खाते हैं, पर ये धन लोलुप व्यक्ति जिंदा मानव को लाश बना देते हैं। पूरे विश्व में कोरोना महामारी से लड़ने के लिए दिन-रात वैज्ञानिक, डाक्टर संघर्ष कर रहे हैं। मेडिकल व्यवसाय से जुड़े हजारों लोग दूसरों की सेवा करते-करते अपने जीवन से हाथ धो चुके हैं। ऐसे में दिल्ली से यह समाचार मिलता है कि एक ही अस्पताल में बारह लोग आक्सीजन के अभाव में मौत के मुंह में चले गए। यह वह समय था जब दिल्ली के बहुत से व्यापारियों ने आक्सीजन ब्लैक में बेचकर सैकड़ों सिलेंडर सरकार और जनता की आंख से छुपाकर रखे थे। केवल दिल्ली में ही नहीं, अमृतसर से लेकर हरियाणा, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे प्रांतों में भी लोग तड़प-तड़प कर मरते रहे।

देश में केवल आक्सीजन का ही नहीं, प्राणरक्षक औषधियों का भी काला धंधा जोर-शोर से चला। तीन से पांच हजार रुपये का इंजेक्शन रेमेडिसिविर पचास हजार से एक लाख में बिका। नकली रेमेडिसिविर बनाने का धंधा भी देश में चल रहा है। कालाबाजारी को छिपाने के लिए सैकड़ों इंजेक्शन भाखड़ा नहर में भी बहाए। शायद कानून के पंजे से बचने के लिए। अभी तक यह तय नहीं हो सका, यह नकली हैं या असली।

अफसोस यह है कि यह वही भ्रष्टाचार है, जिसे समाप्त करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री पद संभालते ही यह घोषणा की थी कि मैं न खाऊंगा, ना खाने दूंगा। पर आज तो ऐसा महसूस होता है कि इन अवैध धंधे करने वालों के बिना नेता अपना गुजारा नहीं कर सकते और चापलूसों की फौज खड़ी करके सच्चाई देखने से दूर भागते हैं। एक तरफ मौत बरस रही है, दूसरी तरफ लॉकडाउन में बेचारे सब्जी वाले की रेहड़ी ठोकर मारकर पलटा दी जाती है। दुकानों का दरवाजा बंद करके अपना काम कर रहे लोगों को भी निकालकर पीटने के समाचार फिल्लौर और अमृतसर से मिले हैं। इससे अधिक शर्मनाक क्या हो सकता है कि गुरुग्राम से लुधियाना लाने के लिए एंबुलेंस का एक लाख बीस हजार रुपये किराया लिया जाता है। केवल एक नहीं, अनेक ऐसी घटनाएं हैं जहां एक हजार का काम करने के लिए दस हजार लिए जा रहे हैं। दिल्ली और गुजरात के दो-चार प्रसिद्ध अमीर आक्सीजन की ब्लैक करते पकड़े गए हैं। होना तो यह चाहिए कि इन लोगों को केवल कालाबाजारी की सजा न दी जाए, अपितु जो लोग बिना आक्सीजन के मौत के मुंह में चले गए हैं, उनकी हत्या का दोष उन पर लगाया जाए। कोर्ट ने सही कहा था कि यह नरसंहार है जहां लोग बिना आक्सीजन के तड़प कर मर गए। यह भी कहा था कि इन लोगों पर हत्या का केस क्यों न बनाया जाए। कानून में चाहे कोई संशोधन करना पड़े, पर ऐसे लोगों को आजीवन सलाखों के पीछे तड़पते हुए छोड़ देना चाहिए, तभी शायद उनके साथ कुछ न्याय हो सकेगा जो प्राणवायु न मिलने से लाश बन गए और जिनके परिजन जिंदगी भर बिलखने के लिए रह गए।

-लक्ष्मीकांता चावला

जापान, दक्षिण कोरिया और मॉरीशस पहुंचेगी उत्तर प्रदेश और बिहार के आमों की मिठास

नई दिल्ली। अगर सबकुछ योजना के मुताबिक रहा तो बंगाल का हिमसागर आम दक्षिण कोरिया और जरदालू आम मॉरीशस को निर्यात किया जा सकता है। भारत दुनिया में आम का सबसे उत्पादक है। लेकिन देश से आम की कुछ ही किस्मों का निर्यात किया जाता है। अब इसमें विविधता लाने की तैयारी है। उत्तरी राज्यों में होने वाली आम की किस्मों को भी निर्यात किया जाएगा। साथ ही अमेरिका को भी आम का निर्यात बहाल करने की योजना है।

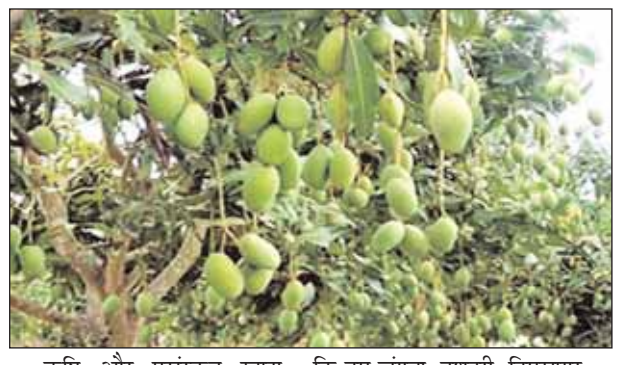

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के चेयरमैन एम अंगामुत्थू ने कहा कि हम लंगड़ा, दशहरी, हिमसागर और जरदालू जैसी किस्मों के निर्यात की संभावनाएं तलाश रहे हैं। अभी हमारे निर्यात में अल्फोंसो और केसर का दबदबा है लेकिन आम की दूसरी किस्मों की भी भारी मांग है। दुनियाभर में भारतीय मूल के लोग और दूसरे लोग भी इनकी मांग कर रहे हैं।

■ **किन देशों को होता है आम का निर्यात-** भारत से अब तक यूएई, ईयू और नेपाल को आम की निर्यात होता रहा है लेकिन अब दूसरे देशों को भी आम का निर्यात करने की तैयारी है। इनमें जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और मॉरीशस शामिल हैं। भारत दुनिया में आम का सबसे बड़ा उत्पादक है लेकिन निर्यात के मामले में वह मेक्सिको और पाकिस्तान से भी पिछड़ा हुआ है। लेकिन भारत ने अब इन देशों को टक्कर देने की पूरी तैयारी कर ली है।

घरेलू खपत और खासकर उत्तर भारतीय किस्मों में शुगर की अधिक मात्रा के कारण इनका कम निर्यात होता है। साथ ही स्टैंडर्ड की भी समस्या है। उदाहरण के लिए अमेरिका को निर्यात इसलिए प्रभावित हुआ है क्योंकि भारतीय उपज के irradiation की जरूरत पड़ती है। पिछले वित्त वर्ष में आम का निर्यात उससे पिछले वर्ष की तुलना में कम रहा। 2019-20 में भारत से 5.6 करोड़ डॉलर का आम निर्यात हुआ था जबकि पिछले साल अप्रैल से फरवरी के बीच करीब 2.83 करोड़ डॉलर का आम निर्यात किया गया। इसकी एक वजह लॉकडाउन भी है जो आम के पीक सीजन के साथ लगा था।

गोएयर बदलकर हुई गो फर्स्ट, अब यात्री सस्ते में कर सकेंगे हवाई सफर

नई दिल्ली । वाडिया ग्रुप की लो-कॉस्ट एयरलाइन गो एयर ने खुद को गो फर्स्ट के रूप में रिब्रांड किया है। 15 साल पुरानी एयरलाइन अल्ट्रा लो कॉस्ट बिजनेस पर फोकस करने के चलते ये फैसला लिया है। बता दें कि कोरोना महामारी से एविएशन इंडस्ट्री जूझ रही है। इसका असर गो एयर पर भी पड़ा है। इससे उबरने के लिए यह अब लो कॉस्ट बिजनेस मॉडल पर फोकस करेगी।

दरअसल गो एयर पर फोकस कर रही है, जिस वजह इसने ये निर्णय लिया है। 13 मई को एयरलाइन ने औपचारिक रूप से एक बयान में कहा कि वह खुद

को गो फर्स्ट के रूप में रीब्रांड कर रही है। बता दें कि एयरलाइन ने 2005 में परिचालन शुरू किया और उसके बेड़े में सिर्फ 50 से अधिक विमान हैं, यहां तक कि प्रतिद्वंद्वी इंडिगो के रूप में जो एक साल बाद शुरू हुआ, आकार में 5 गुना से अधिक है। गोएयर पब्लिक इश्यू के जरिये प्राइमरी मार्केट से फंड्स जुटाने की तैयारी में है।

स्पूतनिक-वी का पहला टीका हैदराबाद में लगाया गया, डॉ रेड्डीज ने किया इस्तेमाल

नई दिल्ली। दवा कंपनी डा. रेड्डीज लैब ने कहा की सीमित शुरुआत के तौर पर कोविड- 19 का टीका स्पुतनिक-वी का पहला टीका हैदराबाद में लगाया गया। कंपनी ने कहा कि रूस के टीके स्पुतनिक-वी की पहली खेप एक मई को भारत पहुंची। इस टीके को केन्द्रीय दवा प्रयोगशाला, कसौली से 13 मई 2021 को मंजूरी मिली। इस दवा की और खेप आने वाले महीनों में भारत पहुंचने वाली है। उसके बाद भारतीय विनिर्माता भागीदारों से भी इसकी आपूर्ति शुरू हो जायेगी। आयातित स्पुतनिक-वी टीके की वर्तमान में कीमत इस पर पांच प्रतिशत जीएसटी सहित अधिकतम 948 रुपये प्रति टीका है।

वेदांता लिमिटेड के आक्सीजन संयंत्र में आई तकनीकी खराबी, उत्पादन रुका

चेन्नई। वेदांता लिमिटेड के स्वामित्व वाले स्टरलाइट कॉपर संयंत्र में तकनीकी खराबी होने के कारण उसमें उत्पादन कार्य रुक गया है। कंपनी ने इसकी जानकारी दी। वेदांता के इस संयंत्र में हाल में ही चिकित्सा उपयोग की ऑक्सीजन का उत्पादन शुरू किया गया। इसमें उत्पादित चिकित्सा आक्सीजन की पहले खेप को लाभार्थी तक भेजा गया। कंपनी ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा, ''हमारे टुटीकोरिन स्थित आक्सीजन संयंत्र के कोल्ड बॉक्स में तकनीकी खराबी आ गई जिससे अस्थाई तौर पर उत्पादन रुक गया।'' कंपनी ने कहा कि

संयंत्र तीन साल से बंद पड़ा था, उसे कोई देखने वाला नहीं था इसलिये उत्पादन कार्य में शुरुआत में इस प्रकार की तकनीकी गड़बड़ी आने की संभावना थी। उसने कहा है कि तकनीकी विशेषज्ञों का एक समूह पहले से ही संयंत्र स्थल पर मौजूद है। स्थिति पर उसकी नजर है और उत्पादन जल्द से जल्द शुरू करने के लिये समाधान की प्रक्रिया में है। कंपनी ने कहा है, ''हमारी उत्पादन को जल्द ही बेहतर स्थिति में पहुंचाने की योजना है।'' वेदांता के स्वामित्व वाली स्टारलाइट कॉपर कंपनी को राज्य की अन्नाद्रमुक सरकार ने 26 अप्रैल को सर्वदलीय बैठक बुलाकर चार महीने के लिये चिकित्सा आक्सीजन का उत्पादन शुरू करने की अनुमति दी है। इससे पहले राज्य सरकार ने मई 2018 को इस कारखाने को सील कर दिया था। पर्यावरण संबंधी चिंताओं को लेकर कारखाने के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शन में 13 प्रदर्शनकारियों की पुलिस फायरिंग में मौत हो जाने के बाद संयंत्र को सील कर दिया गया था।

पीएम मोदी ने जारी की पीएम-किसान की आठवीं किस्त

नई दिल्ली। कोरोना संकट के बीच किसानों के लिए अच्छी खबर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की आठवीं किस्त जारी की। इसके तहत 9.5 करोड़ किसान परिवारों के खातों में 19,000 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए जाएंगे। पीएम-किसान योजना के तहत हर किसान परिवार को हर साल 6000 रुपये दिए जाते हैं। यह पैसा सीधे किसानों के खाते में ट्रांसफर किया जाता है। इस योजना से देश के करोड़ों किसानों को फायदा हुआ है। मोदी सरकार की तरफ से किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना शुरू की गई है। इसके माध्यम से केंद्र की मोदी सरकार किसानों के खातों में हर चार महीने में 2 हजार रुपये की किस्त जमा करती है। इस तरह एक साल में कुल 6 हजार रुपये किसानों के खातों में भेजे जाते हैं। यह योजना 1 दिसंबर, 2018 को लागू हुई थी। यह पैसा सीधे किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर किया जाता है। मोदी सरकार की इस मदद से बहुत सारे किसानों को फायदा पहुंचता है।किसान पीएम किसान हेल्पलाइन से भी जानकारी ले सकते हैं और कोई समस्या हो ता शिकायत दर्ज करा सकते हैं। पीएम किसान हेल्पलाइन नंबर 155261 है। इसके अलावा पीएम किसान टोल फ्री नंबर 18001155266 और पीएम किसान लैंडलाइन नंबर 011-23381092, 23382401 भी है। पीएम किसान की एक और हेल्पलाइन 0120-6025109 और ई-मेल आईडी है।

आम और स्ट्रॉबेरी से बनाएं इम्यूनिटी पावर ड्रिंक, संक्रमण से होगा बचाव

रोगों से बचने के लिए हमारी इम्यूनिटी मजबूत होनी चाहिए. हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता से सर्दी, जुखाम और कई गंभीर बीमारियों से भी हमारा शरीर बच जाता है. कोरोना वायरस का असर भी उन लोगों पर ज्यादा हो रहा है जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है. इसलिए आपको अपनी डाइट में ऐसा खाना शामिल करना चाहिए जिससे आपकी इम्यूनिटी मजबूत हो. हेल्दी डाइट, एक्सरसाइज और योग रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में कारगर है. आज हम आपको ऐसे इम्यूनिटी बूस्टर ड्रिंक के बारे में बता रहे हैं जिनसे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी. आप इस ड्रिंक्स को घर पर भी आसानी से बना सकते हैं. इसके लिए आपको आम और स्ट्रॉबेरी की जरूरत पड़ेगी. गर्मियों के मौसम में ये फल आसानी से मार्केट में मिल जाते हैं. आप इन्हें खा सकते हैं इसके अलावा इनसे आप इम्यूनिटी बूस्टर ड्रिंक भी बना सकते हैं.

❖**आम और स्ट्रॉबेरी से बनाएं इम्यूनिटी बूस्टर ड्रिंक-** सबसे पहले आम को छील कर उसका गूदा निकाल लें. अब स्ट्रॉबेरी को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें. अब दोनों को एक कप पानी डालकर जूसर जार में कम से कम 5 मिनट तक मिक्स करें. कई लोग इस तरह बनी स्मूदी पीना भी पसंद करते हैं. स्मूदी में आप किशमिश या फिर अपना पसंदीदा कई भी ड्राई फ्रूट काटकर डाल सकते हैं. आपका पावरफुल इम्यूनिटी बूस्टर ड्रिंक तैयार है. आप इसे नाश्ते या फिर शाम को स्नैक्स के वक्त भी पी सकते हैं. घर में आने वाले मेहमानों के लिए भी आप ये ड्रिंक तैयार कर सकते हैं.

❖**आम और स्ट्रॉबेरी के फायदे-** आजकल हर कोई इम्यूनिटी को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है. ऐसे में सीजनल आम और स्ट्रॉबेरी से अच्छा ऑप्शन कुछ नहीं है. ये दोनों फल आपकी सेहत के लिए बहुत अच्छे हैं. गर्मियों में आम और स्ट्रॉबेरी से बना ड्रिंक आपके शरीर को ठंडक पहुंचाता है. इसे पीने से आप लंबे समय तक एनर्जेटिक महसूस करेंगे. आम और स्ट्रॉबेरी में एंटी ऑक्सीडेंट की भरपूर गुण पाए जाते हैं.

आज का राशिफल

मेषः चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। चोट व रोग से बचें। विवाद न करें। आवश्यकताएं बढ़ेंगी। आर्थिक तंगी हो सकती है। कर्ज से बचें।

वृषभः यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। नेत्र पीड़ा की संभावना। कुछ लाभ। यात्रा के योग टलेंगे।

मिथुनः कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा के योग बनेंगे। लाभ होगा।

कर्कः राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी। हानि-लाभ का वातावरण बनेगा। पराक्रम बढ़ेगा। विजय मिलेगी, गर्व न करें।

सिंहः चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कष्ट होंगे। खर्च बढ़ेंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

कन्याः कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा। कुछ लाभ के आसार दिखेंगे।

तुलाः संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। कष्टों में वृद्धि के योग हैं। कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी।

वृश्चिकः रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ होगा। रोग घेरेंगे। चिंताएं बढ़ेंगी। शत्रु शांत होंगे। अपमान, कष्ट, कलह से बचना होगा।

धनुः दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

मकरः मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। मातृपक्ष से परेशानी होगी। दुर्घटना की संभावना।

कुंभः भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत होंगे। कष्ट-भय की संभावना, अस्वस्थता, आलस्य का अनुभव करेंगे। धनागम होगा।

मीनः यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शुभ समाचार की आशा बंधेगी। शत्रु षड्यंत्र रचेंगे। सावधान रहने की आवश्यकता है।

अंकिता लोखंडे फिर बनेंगी अर्चना देशमुख

सुशांत सिंह राजपूत का सबसे फेमस शो पवित्र रिश्ता एक बार फिर नए अंदाज में नई स्टोरी के साथ उनके फैंस के लिए रिलीज होने की तैयारी में हैं.

सुशांत को इसी शो ने हर घर में हर दिल अजीज बना दिया था. उन्होंने इसमें मानव का रोल निभाया था. उन्होंने जिस शिद्दत से ये रोल किया था तभी से माना जाने लगा था कि सुशांत एक न एक दिन फिल्मों में भी कुछ बड़ा करेंगे. बताया जा रहा है कि इस शो में अंकिता लोखंडे एक बार फिर काम करेंगी और उन्हें वो ही रोल दिया जा रहा है जो उन्होंने टीवी पर

टेलिकास्ट होने वाले शो में किया था. ये रोल था अर्चना देशमुख का. अंकिता और सुशांत ने लंबे वक्त तक इस शो में काम किया. वो एक दूसरे के इतना करीब आ गए थे. इनका अफेयर शुरू हो गया और दोनों कपल के तरह एक दूसरे के साथ रहने लगे. सुशांत वाले रोल के लिए किसी नए चेहरे की तलाश की जा रही है. खबर के मुताबिक ये शो जी5 पर टेलिकास्ट किया जाएगा. जी5 अपने टीवी चैनल जी टीवी पर चले पुराने हिट शो को एक बार फिर ओटीटी पर नई कहानी के साथ पेश कर रहा है. हाल ही में जमाई राजा 2 और कुबूल 2 भी इसी प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किए गए. उन्हें लोगों ने खूब पसंद भी किया. सुशांत सिंह राजपूत के फैंस को पवित्र रिश्ता 2.0 के रीलीज होने का लंबे वक्त से इंतजार है. बताया जा रहा है कि इस शो की स्क्रिप्ट पूरी तरह से तैयार कर ली गई है और मानव के रोल के लिए भी नए चेहरे का ऑडिशन किया जा रहा है.

'हीरो-गायब मोड ऑन' में जल्द होगी कृप कपूर सूरी की एंट्री

सोनी सब टीवी के शो 'हीरो-गायब मोड ऑन' में जल्द ही एक्टर कृप कपूर सूरी की एंट्री होने वाली है. जी हां, स्टार भारत के सीरियल 'राधाकृष्ण' में दुर्योधन का किरदार निभाने के बाद अब डॉन गुरु भाई के किरदार में कृप अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. आपको बता दें, 'हीरो ङ्क गायब मोड ऑन' टीवी का पहला ऐसा शो है, जहां दो सगे भाई अभिषेक और सिद्धार्थ निगम एक साथ काम कर रहे हैं. आने वाले एपिसोड में हम देखेंगे वैश्य इलाके से जीतकर

निकलने के बाद वीर और शिवाय आखिरकार अपने शहर में लौट आते हैं. हीरो को नहीं पता है कि उसके पूरे शहर में अशांति फैली हुई है. इस काम को अंजाम दिया है शो के सबसे खूंखार डॉन गुरु भाई (कृप कपूर सूरी) के बदनाम गैंग ने. गुरु भाई मासूम लोगों को लूटकर अपनी ताकत बढ़ाना चाहता है, लेकिन अब हीरो आ चुका है और जल्द ही गुरु भाई से उसका आमना-सामना होगा.

लॉकडाउन में घर पर बनाएं उड़द दाल की पूड़ी

उड़द दाल से बनने वाली पूड़ियां न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होती है बल्कि इन्हें बनाना भी बेहद आसान होता है। तो आज हम इसकी क्रिक रेसिपी के बारे में जानेंगे।

सामग्री :

उड़द दाल- 1 कप, आटा- 2 कप, हींग- चुटकीभर, लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून, अमचूर पाउडर- 1 टीस्पून, हल्दी- 1 टीस्पून, धनिया पाउडर- 1 टेबलस्पून, हरी मिर्च- 2-3 कटी हुई, नमक- स्वादानुसार, हरा धनिया बारीक कटी हुई

विधि :

- उड़द दाल को 2-3 घंटे धूप में रखने के बाद इसे पीसकर आटा बना लीजिए। अब इसमें गेहूं का आटा मिला लीजिए। अगर एक कप उड़द दाल आटा है तो 2 कप गेहूं का आटा होना चाहिए।

- अब इसमें हरी मिर्च, हरा धनिया, नमक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, अमचूर पाउडर, हींग और अदरक। डाल दीजिए।

- अब पानी डालकर आटा को गूंध लें और 10 मिनट सेट होने के लिए रख दें।

- 10 मिनट बाद छोटी लोई लेकर पूरियां बेल लीजिए।

- अब गोल्डेन ब्राउन होने तक पूरियां तल लीजिए।

- तैयार है उड़द दाल पूड़ी, जिसे किसी भी ग्रेवी वाली सब्जी या चटनी के साथ खाया जा सकता है।

शब्द सामर्थ्य- 79

बाएं से दाएं
1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे
1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

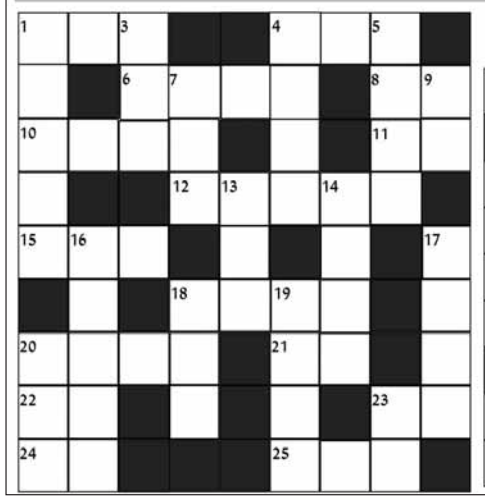

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 78 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	टूटू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

सू-दोकू- 79

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.78 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6